Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 21 जनवरी, 2023

देश की पहली हाइड्रोजन पावर ट्रेन

119 वर्ष पुराने **कालका-शिमला रेल मार्ग** पर देश को पहली हाइड्रोजन पावर ट्रेन का संचालन किया जाएगा। **वर्ष 2008** में यूनेस्को **ने कालका-शिमला रेल मार्ग को वर्ल्ड हेरिटेज साईट का दर्जा** प्रदान किया। इस ट्रेन को चलाने की घोषणा केंद्रीय बजट में होगी। **कालका, बोग और शिमला में** इसके फ्यूहाइड्रोजन सेंटर भी बनाए जाएंगे। इस ट्रेन का डिज़ाइन फाइनल हो चुका है। ट्रेन का संचालन **'ग्रीन फ्यूल क्लीन फ्यूल'** थीम पर आधारित होगा। खास बात यह है कि इस ट्रेन में वंदे भारत जैसी तमाम अत्याधुनिक सुविधाएँ होंगी एवं ट्रेन में सात कोच होंगे। स्वच्छ विकल्पकि ईंधन विकल्प के लिये हाइड्रोजन पृथ्वी पर सबसे प्रचुर तत्त्वों में से एक है। ग्रीन हाइड्रोजन **अक्षय ऊर्जा (जैसे सौर, पवन)** का प्रमुख स्रोत है। ग्रीन हाइड्रोजन **जल के इलेक्ट्रोलिसिस** द्वारा निर्मित होता है और इसमें कार्बन फुटप्रिंट कम होता है। इसके तहत विद्युत द्वारा जल (H_2O) को हाइड्रोजन (H) और ऑक्सीजन (O_2) में विभाजित किया जाता है। ज्ञातव्य है कि फ्राँस की रेल ट्रांसपोर्ट कंपनी अल्स्टोम ने **विश्व की पहली हाइड्रोजन** से चलने वाली **ट्रेन को वर्ष** 2018 में प्रारंभ किया था।

मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा स्थापना दिवस

21 जनवरी को **मणिपुर, मेघालय** और **त्रिपुरा** का **स्थापना दिवस** मनाया जाता है, इस उपलक्ष्य पर**प्रधानमंत्री ने इन राज्यों के लोगों को शुभकामनाएँ दी हैं।** प्राकृतिक सौंदर्य और अनुपम छटा से युक्त **तीनों राज्य भारत की सांस्कृतिक विविधता को समृद्ध बनाते हैं और साथ ही** अपनी इन विशेषताओं के कारण पर्यटन **का केंद्र भी हैं। 21 जनवरी, 1972 को पूर्वोत्तर क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 के तहत तीनों को पूर्ण राज्य का दर्जा** प्रदान किया गया था। 15 अगस्त, 1947 से पहले शांतिपूर्ण वार्ता के ज़रिये ऐसे लगभग सभी राज्यों, जिनकी सीमाएँ भारतीय संघ के साथ लगती थीं, को विलय हेतु एकजुट कर लिया गया था, **15 नवंबर, 1949 को भारतीय संघ में विलय होने तक त्रिपुरा एक रियासत थी। 17 मई, 1947 को त्रिपुरा** के अंतिम **महाराजा बीर बिक्रम सिंह के निधन** के पश्चात् **महारानी कंचनप्रभा ने त्रिपुरा राज्य का प्रतिनिधित्व संभाला।** भारतीय संघ में त्रिपुरा राज्य के विलय में उन्होंने सहायक की भूमिका निभाई थी। **मेघालय, भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में स्थित एक छोटा पहाड़ी राज्य है जो 2 अप्रैल, 1970 को असम राज्य के भीतर एक स्वायत्त राज्य** के रूप में अस्तित्व में आया।

प्रवीण शर्मा होंगे राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के नए निदेशक

प्रवीण शर्मा को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन) का निदेशक नियुक्त किया गया है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (DOPT) द्वारा जारी आदेश के अनुसार, शर्मा को पदभार ग्रहण करने की तिथि से या अगले आदेश तक पाँच वर्ष की अवधि के लिये केंद्रीय कर्मचारी योजना के तहत पद पर नियुक्त किया गया है। प्रवीण शर्मा 2005 बैच के इंडियन डिफेंस सर्विस ऑफ इंजीनियर्स (IDSE) के अधिकारी हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (NHA) "आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB-PMJAY)" नामक भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा योजना को लागू करने के लिये ज़िम्मेदार शीर्ष निकाय है, राष्ट्रीय स्तर पर PM-JAY को लागू करने के लिये NHA की स्थापना की गई थी। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की शुरुआत 27 सितंबर, 2021 को पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा की गई थी, इसका उद्देश्य सभी भारतीय नागरिकों को अस्पतालों, बीमा फर्मों और आवश्यकता पड़ने पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से स्वास्थ्य रिकॉर्ड तक पहुँचने में मदद करने हेतु डिजिटल स्वास्थ्य आईडी प्रदान करना है। यह न केवल अस्पतालों की प्रक्रियाओं को सरल बनाता है बल्कि जीवन की सुगमता को भी बढ़ाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-21-january-2023